दुगुनी क्षमता ने पायी रफ्तार : सुविधा को मिला नया अवतार, रेल यात्रियों ने पाया एसी डबल डेकर ट्रेन का उपहार !

प्रिय पाठको,

सादर अभिवादन और नव वर्ष की हार्दिक बधाई। भारतीय रेल प्रणाली नवीनतम प्रौद्योगिकी का सदुपयोग करते हुए अपने यात्रियों को अधिकाधिक बेहतर सेवाएँ और सुविधाएँ सुलभ कराने हेतु हमेशा प्रतिबद्ध और अग्रणी रही है। इसी क्रम में पिछले दिनों पूर्णतः वातानुकूलित डबल डेकर एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन शुरू करके एक अभिनव पहल की गई है। इन ट्रेनों में से एक एसी डबल डेकर ट्रेन का परिचालन मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच शुरू किया गया है। आकर्षक रंग संयोजन वाली इसी नई-नवेली ट्रेन की रोमांचक तस्वीर से इस बार हमने हम सबकी प्रिय गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' के नवीनतम अंक के मुखपृष्ठ की शोभा बढ़ाई है, वहीं डबल डेकर ट्रेन की अलबेली अवधारणा पर एक विशेष फीचर का प्रकाशन अंग्रेज़ी खंड के अंतर्गत किया गया है। अहमदाबाद और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच शुरू हुई एसी डबल डेकर ट्रेन के उद्घाटन समारोह का सचित्र विवरण भी 'सामयिक गतिविधियाँ' खंड के अंतर्गत प्रकाशित किया गया है।

मित्रों, 'रेल दर्पण' के हर नये अंक का हम सभी को बेसब्री से इंतज़ार रहता है, लेकिन इस बार यह इंतज़ार कुछ लम्बा हो गया, क्योंकि पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आने वाले गुजरात प्रदेश में चुनाव के कारण लागू आचार संहिता के फलस्वरूप हम इस नये अंक का प्रकाशन निर्धारित समय पर नहीं कर पाये। बहरहाल, अब तो आपकी लोकप्रिय पत्रिका 'रेल दर्पण' का नवीनतम अंक सचमुच नये कलेवर के साथ आपके हाथों में पहुँच चुका है। जी हाँ, इस बार हमने 'रेल दर्पण' के समग्र स्वरूप को इसकी प्राचीन परम्परा से हटकर एक नया रंग-रूप दिया है। खास बात यह है कि इस अंक से 'रेल दर्पण' के सभी 76 पृष्ठ रंगीन हो गये हैं, मगर हमने सुरुचिपूर्ण रंग-संयोजन के ज़रिये कोशिश यह की है कि पृष्ठ सज्जा की सादगी एवं गरिमा को बरकरार रखते हुए अपने पाठकों को एक बिल्कुल नई 'रेल दर्पण' पेश करें। हमें विश्वास है कि 'रेल दर्पण' का यह अनूठा मेक-ओवर आपको ज़रूर पसंद आयेगा, क्योंकि इसके ज़रिये हमारी 'रेल दर्पण' ने पाया है एक व्यावसायिक पत्रिका की तरह खुलेपन से भरपूर एक खास कलेवर, जिसमें कुछ अलग तरह की पृष्ठ सज्जा और पठनीय सामग्री से सम्बंधित असरदार प्रतीक चित्रों का प्रभावशाली चयन आप सभी के अंतर्मन को ज़रूर लुभायेगा। हमें खुशी है कि देश की सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका का सर्वोच्च सम्मान महामहिम राष्ट्रपति जी के हाथों पाने के बाद 'रेल दर्पण' की लोकप्रियता के साथ-साथ इसके पाठकों और रचनाकारों का दायरा देश के दूरदराज के क्षेत्रों तक उल्लेखनीय रूप से बढ़ गया है। इसका प्रमाण है दार्जिलिंग के एक शोध छात्र द्वारा प्रकाशनार्थ प्रेषित कहानी 'मजबूरन', जिसे हमने इस नये अंक के 'कथाकुंज' खंड में प्रकाशित किया है। हम ऐसे नये और प्रतिभावान रचनाकारों का हमेशा स्वागत करते हैं और भविष्य में भी करते रहेंगे। पिछले दिनों 'एसोसिएशन ऑफ बिज़नेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में लगातार दसवें वर्ष अपनी रचनात्मक उत्कृष्टता के लिए पुनः दो राष्ट्रीय पुरस्कारों पर कब्जा करके 'रेल दर्पण' ने एक बार फिर अपना वर्चस्व सिद्ध किया है, वहीं प्रमुख साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'आशीर्वाद' द्वारा वर्ष 2011-12 के लिए चयनित एवं सम्मानित देश की पाँच सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिकाओं में भी 'रेल दर्पण' को शामिल किये जाने से हम सभी गौरवान्वित हुए हैं। यह आप सभी मूर्धन्य रचनाकारों और प्रबुद्ध पाठकों के सहयोग की बदौलत ही सम्भव हो पाया है, इसलिए आप सभी का हार्दिक अभिनंदन और तहे दिल से शुक्रिया। हमारे महाप्रबंधक महोदय ने अपने शुभकामना संदेश में इन गौरवपूर्ण उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देकर हमारी जो हौसला-अफज़ाई की है, उसके लिए मैं सम्पूर्ण सम्पादक मंडल की ओर से महाप्रबंधक महोदय एवं अन्य सभी शुभचिंतकों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में भी हम 'रेल दर्पण' को निरंतर नई बुलंदियों पर पहुँचाने की हमारी हरसम्भव कोशिशें लगातार जारी रखेंगे।

इस नये अंक में हमने जहाँ सभी नियमित स्तम्भों को यथोचित स्थान दिया है, वहीं मध्य पृष्ठों पर पिछले दिनों पश्चिम रेलवे की मुंबई उपनगरीय प्रणाली पर सम्पन्न डीसी-एसी विद्युत कर्षण रूपांतरण की अहम परियोजना पर एक विशेष फोटो फीचर पेश किया है। 'विशेष अतिथि रचनाकार' में इस बार शिरकत की है, देश के मशहूर कवि एवं मंच संचालक श्री देवमणि पांडेय ने, तो 'स्पेशल इंटरव्यू' में इस बार हमारे खास मेहमान हैं, अपनी अनूठी आवाज़ और अंदाज़ से सबको दीवाना बना देने वाले मशहूर गायक श्री कैलाश खेर। एक सार्थक गृह पत्रिका के मानदंडों पर खरे उतरने के क्रम में हमने रेल यूनियन आंदोलन के महान नेता कॉमरेड जगदीश अजमेरा जी को विनम्र श्रद्धांजलि स्वरूप उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को दर्शाने वाले एक विशेष लेख का प्रकाशन भी किया है। कुल मिलाकर 'रेल दर्पण' के इस नये अंक में वह सब कुछ है, जिसकी आप जैसे प्रबुद्ध पाठकों को तलाश रहती है अर्थात रोचकता से भरपूर जानकारी और मनोरंजन का अनमोल खज़ाना। तो चलिये, शुरू करिये एक पाठक के रूप में अपना सफ़र और फिर हमें पत्र लिखकर बताइये कि 'रेल दर्पण' का यह नया अंक आपको कैसा लगा ? हमें रहेगा आपकी प्यारी-प्यारी चिट्ठियों का इंतज़ार !

एक बार फिर 'नव वर्ष' की हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

आपका शुभाकांक्षी,

शरत

(शरत चंद्रायन)
प्रधान सम्पादक एवं
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी